an>

Title: Need to absorb Shikcha Mitra in Uttar Pradesh.

श्री दहन मिश्रा (श्रावस्ती) : महोदया, मैं आपका ध्यान भारत सरकार और मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर दिलाते हुए उत्तर प्रदेश में शिक्षा मित्रों के समायोजन में आ रही अड़चनों को दूर कर के उनका समायोजन विद्यमान करने की मांग करता हूँ। महोदया, उत्तर प्रदेश में विगत 16 वर्षों से तीन हज़ार और साढ़े तीन हज़ार रूपये के न्युनतम वेतन पर कठिन परिश्रम से लगातर शिक्षण कार्य शिक्षा मित्र दे रहे थे। माननीय न्यायालय के एक आदेश के बाद उत्तर प्रदेश में शिक्षा मित्रों को शिक्षण कार्य से हटा दिया गया है, जिसकी वजह से तमाम विद्यालय बन्द हो गए हैं। आज उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा पूरी तरह से चौपट हो गई है। ऐसी स्थिति से हमारी भारत सरकार से माँग है, मानव संसाधन विकास मंत्री जी से माँग है कि उत्तर प्रदेश के शिक्षा मित्रों के समायोजन में जो भी अड़चनें आ रही हों, उनको दूर करते हुए और उनको प्राथमिक शिक्षक का जो दर्जा दिया गया था, उसको बरकरार रखते हुए उनको समायोजित किया जाए। आज उत्तर प्रदेश में तमाम शिक्षा मित्रों के परिवार भुखमरी के कगार पर पहुँच गए हैं और तमाम शिक्षा मित्र आत्महत्या करने के लिए मजबूर हैं। ऐसी स्थिति में हमारी माँग है कि समायोजित करके उनको राहत प्रदान की जाए।

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गई है। समायोजित करने के लिए आपने तीन बार कह दिया है, अब आप बैठ जाइए।

श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री अजय मिश्रा टेनी को श्री दहन मिश्रा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।